Year : 7
Issue : 25
July-Sept. 2017
www.chintanresearchjournal.com
Impact factor : 2.645

ISSN : 2249-2976
Price : ₹500

(Art, Humanity, Social Science, Commerce, Law, Management & Science Subjects)
(Indexed & Listed at : Ulrich's Periodicals Directory ©, ProQuest, U.S.A.)
(Indexed & Listed at : Copernicus, Poland & Research Bib, Japan)
(Indexed & Listed at : Indian Journal Index (IJINDEX))
(UGC Approved Sl. No. 41241)

(International Refereed)

Pramāna

Research Journal

Editor-in-Chief
Acharya (Dr.) Shilak Ram

Acharya Academy
Bharat
ISO 9001 : 2008

website : www.chintanresearchjournal.com
Impact Factor : 2.645

ISSN : 2249-2976

Pramāna

Research Journal

(Art, Literature, Humanity, Social Science, Commerce, Management, Law & Science Subjects)

(Indexed & Listed at :
Ulrich's Periodicals Directory ©, ProQuest. U.S.A.)
Copernicus, Poland
Research Bib., Japan
(Indexed & Listed at : Indian Journal Index (IJIND EX))
UGC Approved List Sl. No. 41241

Year : 7
Issue : 25
July-September 2017
www.chintanresearchjournal.com

Acharya Academy, Bharat

ISO : 9001-2008

शोध–आलेखानुक्रम

सम्पादकीय

- **Educational Ethics and Role of Religion**
  –Anu Kandhari 11–17
- **A Study on Social Skill of Students with Visual and Hearing Impairment in General and Special School Settings of Karnal and Kaithal District**
  –Dr. Vibha Kaushik 18–25
- **Need of Article 370 in India: A Critical Study**
  –Yashveer Singh 26–34
- **Treatment of Native American Literary History**
  –Suman Devi 35–38
- **Librarian as a Manager, Challenges and Remedies**
  –Seema Rani 39–43
- **An Influence of ICT on Library in Education**
  –Rajesh Kumar 44–49
- **Child Sexual Abuse in India : Issues and Challenges**
  –Dr. Anju Khanna 50–54
- **Impact of GST on Warehousing and Transportation**
  –Smbaraju Praveen 55–58
- **The study of Handball with diversity of injuries**
  –Parveen Malik 59–63
- **A Comparative Study of Z Score Value, Number of Trades, Market Value of Share and Total Turnover of J.K Tyres and Ceat Tyres Company Ltd**
  –Naveen Kumar, Vikas Kumar 64–75
- **Evaluation of Interatomic Force Constants of Binary Tetrahedral Semiconductors**
  –Dr. Anil Kumar Ojha 76–81
- **Pakistan-China Strategic Nexus and Its Impact on India's Security**
  –Promila 82–90
- **Reformation of Higher Education In India**
  –Ajay Singh 91–96

- वैदिककालीन कृषि प्रबन्धन का स्वरूप
  –डॉ. हरकेष बैरवा 97–101
- मध्यप्रदेश के जावद विधानसभा क्षेत्र में दलीय राजनीति
  –डॉ. बिनू झंवर 102–106
- डॉ. शकुन्तला कालरा के बाल साहित्य में बिम्ब–विधान
  –डॉ. भीम सिंह 107–111
- मानवता की संजीवनी : कबीर वाणी
  –डॉ. राजेन्द्र बड़गूजर 112–119
- प्राचीन भारतीय इतिहास में शिल्प श्रेणी (600–300BC)
  –उमेश कुमार 120–123
- अभिनवभारती में निरुक्त का विवेचन
  –सुनील कुमार 124–129
- वीरता के प्रतीक : गुरु गोविंद सिंह
  –सुधा महला 130–136
- कवि मैथिलीशरण गुप्त के काव्यों की अमर विरहिणी : उर्मिला और यशोधरा
  –संजय सिंह बैरवा 137–140
- बलबन कालीन मेवात : एक अध्ययन
  –शर्मिला यादव 141–145
- आधुनिक हिन्दी–साहित्य मे आक्रोष
  –रेखा साहू
  146–153
- विमुक्त जातियों की शिक्षा, रोजगार, इतिहास और विकास पर मंथन (विशेषकर हरियाणा के संदर्भ में)
  –कृष्ण कुमार 154–158
- भारत में पंचायत राज का विकास
  –कृष्ण कुमार 159–164
- भूमंडलीकरण और गांधी : एक संक्षिप्त परिप्रेक्ष्य
  –अंजना कुमारी 165–169
- **Innovations and Challenges in The Field of Teacher Education**
  –Sushil Kumar 170–174
- **Emergence of Modi's Foreign Policy**
  –Dr. Sanjay Kumar 175–180
- **Pakistan as a Factor in India-China Relationship**
  –Sunil Kumar 181–186

Impact Factor : 2.645

Pramāna
International Refereed

Research Journal (ISSN : 2249-2976)
Year-7, Issue-25(July-Sept. 2017) (Page No. 112-119)

मानवता की संजीवनी : कबीर वाणी

डॉ. राजेन्द्र बड़गूजर
एसोशिएट प्रोफेसर
हिन्दी-विभाग, आर.के.एस.डी. (पी.जी.)
कॉलेज, कैथल (हरियाणा)

शोध-आलेख सार

कबीर कालीन समाज देखें तो पता चलता है कि यह समाज धार्मिक उथल-पुथल, ऊँच-नीच की भावना से भयानक रूप से ग्रस्त, रूढ़ियों और आडम्बरों से त्रस्त, वेश्यावृति और मानवीय मूल्यों के हनन का समय है। हिन्दू और मुस्लिम दोनों ही धर्म अपने वर्चस्व को कायम करने में संलग्न हैं। मुल्ला तथा पंडितों में घोर स्वार्थ भावना ने जन्म ले लिया था। उन्होंने धर्म को इतना जटिल और संकीर्ण बना दिया था कि एक सामान्य धार्मिक व्यक्ति धार्मिक कर्मकाण्डों को सम्पन्न करने की सोच ही नहीं सकता था। दलित जातियों को तो केवल और केवल सेवा भाव के लिए ही तैयार रहना था। समाज के केवल कुछ प्रतिशत लोगों ने समाज को अमानवीय जंजीरों में जकड़ दिया था। इस वर्ण व्यवस्था का सामाजिक स्तर पर शिकार था शूद्र वर्ण। शूद्र वर्ण में अने वाली जातियों के नारकीय जीवन को धार्मिक आधार देने का प्रयास किया जा रहा था। हिन्दुओं ने 'मनुस्मृति' को हिन्दू जीवन संहिता के रूप में स्वीकार कर लिया था। 'मनुस्मति' के अनुसार, शूद्र शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता, सुन्दर वस्त्र धारण नहीं कर सकता, अच्छे घरों में नहीं रह सकता, धन संग्रह नहीं कर सकता, सम्मानित जीवन व्यतीत नहीं कर सकता, अर्थात् शारीरिक और मानसिक रूप से वह गुलामों का सा जीवन व्यतीत करेगा।

मुख्य-शब्द : भारतीयता एवं मानवीयता, वेश्यावृति, वर्ण-व्यवस्था, संजीवनी ।

भारतीय समाज और संस्कृति अनेक विषमताओं से परिपूर्ण है। वर्ण, धर्म, जाति, क्षेत्र, भाषा, लिंग के आधार पर हमारा व्यवहार अति कट्टर है। भारतीयता एवं मानवीयता का स्थान तो कई पायदान पीछे सरक जाता है। भारतीय सामाजिक का व्यवहार धर्म, जाति और वर्ण निर्धारित करता है। मनुष्य जिस जाति या वर्ण में पैदा होता है, तमाम उम्र उसकी संकीर्णताओं में ही व्यतीत करता हुआ बिता देता है। उसके मन में भारतीयता का विचार कभी आने ही नहीं पाता। मानवीयता का गुण जाति धर्म की संकीर्णता में घुट कर रह जाता है।

भारतीय समाज में हजारों सालों से जाति की विभीषिका अपना करिश्मा दिखाती रही है। घृणित समझी जाने वाली जातियों ने इस जाति प्रथा का पुरजोर खण्डन किया है। उनका जाति का खण्डन करना केवल अपने लिए न्याय मांगना नहीं अपितु मानव मात्र के लिए वे समता का भाव चाहते थे। बराबरी की भावना का जितना प्रचार-प्रसार निम्न समझी जाने वाली जातियों से आने वाले सन्तों ने किया, उतना सवर्ण कवियों से नहीं बन पाया। सवर्ण कवि जाति व्यवस्था के कगूरे के कवि थे। उन्हें व्यक्तिगत जीवन में इस जाति व्यवस्था का कोई नुकसान नहीं